सुविचार
इंतजार मत कीजिये, सही समय कभी नहीं आता है !

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 260
वर्ष : 04
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

सोमवार, 17 फरवरी 2025 | दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार | web_dainikbiharpatrika.com

बिहार में बनेंगे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, पटना हवाई अड्डे का होगा विस्तार – केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी

दैनिक बिहार पत्रिका।गया

बिहार में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विकास को गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण की योजना बनाई है, साथ ही पटना हवाई अड्डे के विस्तार को भी मंजूरी दी गई है। यह घोषणा केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने रविवार को गया-बोधगया मार्ग स्थित एक निजी होटल में आयोजित एनडीए के केंद्रीय बजट से संबंधित सेमिनार एवं प्रेस वार्ता में की। कार्यक्रम में भाजपा पूर्वी क्षेत्र के जिलाध्यक्ष विजय मांझी, हम जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी, जदयू जिलाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद, जदयू महानगर अध्यक्ष राजू वर्णवाल, लोजपा आर. दिलीप सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र पासवान, पूर्व विधायक कृष्णनंदन यादव सहित एनडीए के अन्य नेता मौजूद रहे।

मखाना बोर्ड और कृषि क्षेत्र को मिलेगी मजबूती

मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि बिहार में 'मखाना बोर्ड' की स्थापना की जाएगी, जो मखाना उत्पादन को संगठित करेगा और इसकी मार्केटिंग को बेहतर बनाएगा। यह बोर्ड मखाना उत्पादक किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने, प्रशिक्षण देने और उनके उत्पादों की ब्रांडिंग में सहायता करेगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी, जिससे बिहार के कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिलेगा। यह संस्थान किसानों की आय बढ़ाने और उनके उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने में मदद करेगा।

आईआईटी पटना को मिलेगा वित्तीय सहयोग, वेस्टर्न कोसी कैनाल परियोजना को मंजूरी

बिहार में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी पटना को वित्तीय सहयोग दिया जाएगा। यहां सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी और हॉस्टल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे अधिक छात्रों को प्रवेश मिल सके। इसके साथ ही, वेस्टर्न कोसी कैनाल परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिससे 50,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करने वाले किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

नई दिल्ली भगदड़: पीड़ित परिवारों को मुआवजा, उच्च स्तरीय जांच जारी

बोधगया के एक निजी स्कूल के वार्षिकोत्सव में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ की घटना पर कहा कि यह एक आकस्मिक घटना थी और इसमें किसी की साजिश नहीं थी। सरकार ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और उच्च स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया है।

महाकुंभ पर लालू यादव के बयान पर मांझी का पलटवार

महाकुंभ को 'फालतू' बताने वाले लालू यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मांझी ने कहा, "पहले वह टीका नहीं लगाते थे, अब तीन बार टीका लगवा चुके हैं।"
उन्होंने कहा कि महाकुंभ में 52-53 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, और इस आयोजन की भव्यता की प्रशंसा की।
उन्होंने यह भी बताया कि वह 18 फरवरी को अपने पूरे परिवार के साथ महाकुंभ में स्नान करने जाएंगे।

रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग को नकारा

लालू यादव द्वारा रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग पर मांझी ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'जो आदमी चुनाव हारता है, वही ऐसी बातें करता है।' उन्होंने कहा कि 2025 के चुनाव में जनता लालू यादव को जवाब देगी।

देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में पातेपुर के एक किशोर की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका।वैशाली

देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।उसी भगदड़ में वैशाली जिला के तीसीऔता थाना क्षेत्र के डभैच निवासी संजीत पासवान के 12 वर्षीय पुत्र नीरज की मौत हो गई। बताया जाता हैं कि नीरज के बड़े पापा इंद्रजीत पासवान के पास कोई संतान नहीं होने के कारण ,नीरज उन्हीं के साथ दिल्ली में ही रहकर कक्षा 6 में पढ़ाई करता था। नीरज अपने घर आने के लिए अपने बड़े पापा के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गया था। उसी दौरान भगदड़ मच गई जिसमें नीरज की मौत हो गई। यह घटना शनिवार की रात लगभग 10 बजे के आसपास प्लेटफॉर्म 13 और 14 पर हुई। घटना के वक्त

हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए स्टेशन पर एकत्रित हो रहे थे और ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।वहीं पूर्व विधायिका प्रेमा चौधरी ने मृतक नीरज के परिजन से मुलाकात कर ढांढस बंधाया।

जिलाधिकारी की पहल से विशाल को एक घंटे में मिला ओबीसी सर्टिफिकेट

दैनिक बिहार पत्रिका।वैशाली

हाजीपुर के हथसारगंज निवासी विशाल ने 15 जनवरी, 2025 को यूपीएससी इंटरव्यू दिया था। इंटरव्यू के बाद यूपीएससी से उन्हें सूचना मिली कि प्रस्तुत ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता के लिए एसडीएम का काउंटरसाइन आवश्यक है। विशाल कल समाहरणालय स्थित अनुमंडल कार्यालय, हाजीपुर में कई घंटे तक ओबीसी प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए प्रयासरत रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः उन्होंने जिलाधिकारी यशपाल मीणा से मिलकर आवेदन दिया। जिलाधिकारी ने तत्काल अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया, जिससे सिर्फ एक घंटे के भीतर विशाल को नया ओबीसी प्रमाण पत्र मिल गया। विशाल ने जिलाधिकारी का आभार

- विशाल के फाइल फोटो

व्यक्त किया, वहीं जिलाधिकारी ने उन्हें यूपीएससी में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

सास पतोहू के झगड़े में पतोहू ने खाई जहर

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका। आनंदपुर थाना क्षेत्र के मोहनडीह गांव की एक महिला ने परिवारिक कलह से तंग आकर जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेने की सामने आई है। हालांकि समय रहते परिजनों ने इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में भर्ती करा दिया है। जानकारी के अनुसार मोहनडीह गांव के नरेश यादव के पुत्र वधू 27 काजल देवी पति तूफानी यादव रविवार को किसी बात को लेकर सास एवं पतोहू के बीच कहा-सुनी हुई थी. इसी बीच महिला काजल देवी ने घर में कीटनाशक दवाई खा ली। जहर का असर होने पर मूर्छित होकर जमीन पर गई। जिसे देख परिजनों ने आनन फानन मे इलाज के लिए प्राइवेट क्लिनिक भैरोगंज ले गया। जहां से उपचार कर गंभीर स्थिती को देखते हुए कटोरिया अस्पताल भेज दिया। लेकिन महिला के शरीर में जहर का असर कम नही होने पर मौके पर मौजूद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु देवघर रेफर कर दिया. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला कि स्थिती नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा की महिला के पति बाहर रहता है और गाड़ी चलाकर अपने परिवार का जीवन यापन करता है. घटना के संबंध में आनंदपुर थानाध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया की इस तरह कि मामला मेरे संज्ञान में नही आया है।

खगड़िया में प्रेम-प्रसंग का मामला तूल पकड़ा, अपहरण, लूट और मारपीट के संगीन आरोप, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र में एक प्रेम-प्रसंग का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। प्रेमी और प्रेमिका 11 फरवरी से फरार बताए जा रहे हैं, लेकिन मामला तब और उलझ गया जब प्रेमी के वृद्ध पिता के लापता होने की खबर सामने आई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें अपहरण, हत्या, लूट, मारपीट और जान से मारने की धमकी तक शामिल है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और दोनों पक्षों के कांड संख्या दर्ज कर छानबीन जारी है।

प्रेमी की मां का आरोप: पति को अगवा कर हत्या की आशंका

प्रेमी की मां ने प्रेमिका के परिजनों पर अपने पति को अगवा कर हत्या कर देने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रेमी और प्रेमिका के फरार होने के बाद प्रेमिका के परिजनों ने उनके पति को उठा लिया और अब तक उनका कोई पता नहीं चल पाया है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। और प्रेमी के परिवार ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

प्रेमिका की मां का पलटवार: बेटी के अपहरण और लाखों की लूट का आरोप

वहीं, प्रेमिका की मां ने भी अपने घर से लाखों रुपए की नकदी, गहने, महंगे कपड़े चोरी होने और बेटी को किडनैप करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगाया गया है और इस साजिश में कई लोग शामिल हैं। उन्होंने भी थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

प्रेमिका के परिवार पर दूसरा आरोप: जबरन भैंस ले जाने और महिलाओं को जलाने की धमकी

इस विवाद के बीच एक अन्य पक्ष ने भी प्रेमिका के परिजनों पर संगीन आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, आरोपियों ने जबरदस्ती उनके घर से 6 भैंस उठा लीं और विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट की। यही नहीं, शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपियों ने महिलाओं के शरीर पर तेल छिड़क कर आग लगाने की धमकी दी, जिससे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पक्ष ने थाना में लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस की कार्रवाई

बहादुरपुर थाना पुलिस ने सभी मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने आ जाएगी। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं और कानून को अपना काम करने दें।

इलाके में बढ़ा तनाव, न्याय की मांग

विवादों के कारण बहादुरपुर थाना क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, जिससे माहौल और गर्म हो गया है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से जल्द से जल्द न्याय की गुहार लगाई है, ताकि दोषियों को सजा मिल सके और इलाके में शांति बनी रहे।

18.000 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 20.625 लीटर विदेशी शराब बरामद,अभियुक्त गिरफ्तार,वाहन जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका।बांका

अमरपूर थानान्तर्गत भरको शनि मन्दिर के पास स0 अ0नि0 अश्वनि कुमार पासवान के नेतृत्व में एक वाहन (मोटरसाइकिल) सवार अभियुक्त रोहित दास , पिता0- रामविलाश दास उर्फ़ बिलाश दास , घर0- केंदुआर, था॰- अमरपुर, जि॰- बाँका, उम्र-32 वर्ष क़रीब को कुल 18.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया तथा वाहन जप्त किया गया। दूसरी ओर बाँका थनांतर्गत विजयनगर, रेलवे लाईन के पास अ॰ नि॰ दीपक महतो के नेतृत्व में एक वाहन सवार अभियुक्त नीतीश कुमार , पिता॰- मंटू साह, घर॰- लखपुरा परघड़ी, था-बाराहाट, जि॰- बाँका, उम्र-17 वर्ष क़रीब को कुल अवैध विदेशी शराब की मात्रा- 20.625 लीटर के साथ गिरफ़्तार किया गया एवम् वाहन जप्त किया गया।

युवा चौपाल को लेकर राजद की बैठक, तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव बोले – तेजस्वी जो कहते हैं, वह करते हैं

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव और पूर्व एमएलसी प्रत्याशी सह राजद जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव की उपस्थिति में युवा चौपाल कार्यक्रम को लेकर युवा राजद जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 5 मार्च 2025 को पटना के मिलर हाई स्कूल में होने वाले युवा चौपाल कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राजेश यादव ने केंद्र सरकार से देशभर में जातीय जनगणना कराने की मांग की और कहा कि राजद की सरकार बनने पर 65% आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डाला जाएगा। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, नई शिक्षा नीति का विरोध करते हुए

कहा कि राजद की सरकार बनने पर महिलाओं को 'माई बहन योजना' के तहत ₹2500 प्रतिमाह दिया जाएगा, दिव्यांगजन, विधवा और वृद्धजन पेंशन को ₹1500 प्रतिमाह किया जाएगा, 200 यूनिट बिजली फ्री और ₹500 में गैस सिलेंडर देने का वादा किया। पूर्व एमएलसी प्रत्याशी मनोहर कुमार यादव ने कहा कि भाजपा और नीतीश सरकार के 20 साल केशासन में बिहारवासी महंगाई से त्रस्त हैं और अब तेजस्वी यादव से ही उम्मीद है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने 5 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी, साढ़े चार लाख नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिलाया और 75% आरक्षण सीमा को बढ़ाने का काम किया। युवा जिलाध्यक्ष उदय यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार में तेजस्वी यादव ने तालीमी मरकज, टोला सेवक, विकास मित्र का मानदेय तीन गुना बढ़ाया, आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के वेतन में वृद्धि की, आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की पहल की और कई विकास कार्य किए। बैठक का संचालन युवा राजद जिला उपाध्यक्ष रितेश ठाकुर ने किया। बैठक में राजद प्रधानमहासचिव नंदलाल मंडल, युवा राजद जिला प्रवक्ता रौशन कुमार, युवा जिला महासचिव शशि पासवान, मुकेश यादव, अनुज कुमार, बेलदौर प्रखंड अध्यक्ष अफरोज आलम सहित दर्जनों नेता मौजूद थे।

त्रिवेणीगंज में सीओ प्रियंका सिंह के खिलाफ आक्रोश, रैयतों ने हटाने की मांग

दैनिक बिहार पत्रिका।सुपौल

त्रिवेणीगंज अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर सीओ प्रियंका सिंह के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। रैयतों का आरोप है कि बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं हो रहा, जिससे आम लोग परेशान हैं।

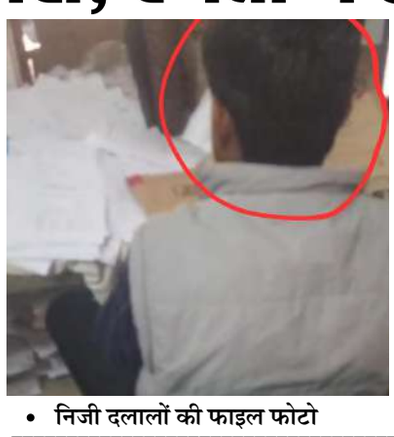

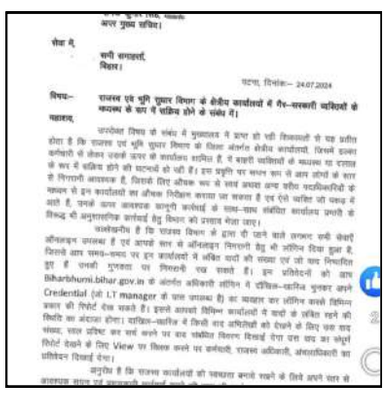

भू-संबंधी कार्यों में दलालों का दबदबा

रैयतों ने आरोप लगाया कि सीओ प्रियंका सिंह के संरक्षण में अंचल कार्यालय दलालों का अड्डा बन चुका है। परिमार्जन, दाखिल-खारिज, लगान संग्रहण, सीमांकन, नामांतरण और डायवर्सन जैसे कार्यों में सरकारी शुल्क के अलावा अवैध वसूली की जा रही है। जिन लोगों से सुविधा शुल्क नहीं मिलता, उनके आवेदन किसी न किसी बहाने रिजेक्ट कर दिए जाते हैं।

हल्का कर्मचारी पर भी लगे आरोप

सीओ पर खास कर्मचारियों को मनमाने तरीके से कई पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपने का आरोप है। विशेष रूप से हल्का कर्मचारी राज रोशन गुप्ता को एक नहीं, बल्कि पांच पंचायतों का प्रभार दिया गया, जो लोगों से पैसे लेकर काम करवाने में लिप्त बताया जा रहा है।

सेवा में,
सभी समाहर्ता,
बिहार।
पटना, दिनांक- 24.07.2024
विषय- राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में गैर-सरकारी व्यक्तियों के मध्यस्थ के रूप में सक्रिय होने के संबंध में।
महाशय,

- निजी दलालों की फाइल फोटो

पहले भी विवादों में रही हैं सीओ प्रियंका सिंह

यह कोई पहली बार नहीं है जब सीओ प्रियंका सिंह विवादों में घिरी हैं। इससे पहले कटैया अंचल (गोपालगंज) में भी उनके कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिसकी खबरें विभिन्न अखबारों और चैनलों में प्रकाशित हुई थीं।

जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग

लोगों ने जिला प्रशासन से सीओ प्रियंका सिंह और हल्का कर्मचारी राज रोशन गुप्ता को तत्काल त्रिवेणीगंज से हटाने की मांग की है। हालांकि, इस मामले में सीओ प्रियंका सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

दैनिक बिहार पत्रिका: निष्पक्ष, सटीक और तेज़ खबरों का भरोसेमंद स्रोत!

📢 क्या आप चाहते हैं कि आपकी खबर या विज्ञापन लाखों लोगों तक पहुंचे?
🔹 दैनिक बिहार पत्रिका आपको देता है तेज़, सटीक और निष्पक्ष खबरें जो पाठकों तक सबसे पहले पहुंचती हैं।
🔹 हम आपके बिज़नेस, इवेंट्स, और महत्वपूर्ण घोषणाओं को प्रभावी तरीके से प्रचारित करने का बेहतरीन अवसर देते हैं।
🔹 हमारी टीम अनुभवी पत्रकारों द्वारा हर खबर की गहराई से जांच कर उसे प्रकाशित करती है, ताकि जनता तक सिर्फ सत्य पहुंचे।
💡 विज्ञापन देने या खबर भेजने के लिए अभी संपर्क करें:
📞 9801716267
✍️ संपादक: कृष्णा टेकरीवाल

दैनिक बिहार पत्रिका – जनता की आवाज़, सच की पहचान!

अनियंत्रित ट्रक ने वृद्ध को कुचला, मौके पर हुई मौत

पूर्व विधायक ने पुलिस प्रशासन पर उठाए सवाल

दैनिक बिहार पत्रिका।बांका

चांदन/बांका। चांदन पांडेयडीह मुख्य सड़क मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 2:00 बजे एक दर्दनाक हादसे में साइकिल सवार वृद्ध कालीचरण कोड़ा की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। देवघर की ओर से आ रहे दस चक्का ट्रक ने अनियंत्रित होकर वृद्ध को टक्कर मार दी, जिससे ट्रक का चक्का उनके सिर के ऊपर से गुजर गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के समय वहां से गुजर रहे कटोरिया के पूर्व विधायक पप्पू यादव ने मौके पर पहुंचकर पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में सड़क किनारे जब्त वाहन और अवैध बालू के अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है, जिससे लगातार हादसे हो रहे हैं। उन्होंने थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार को तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया और ऐसा न करने पर जिला पदाधिकारी से शिकायत करने की चेतावनी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया और दुर्घटनास्थल से ट्रक को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष

विष्णुदेव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका भेजा जाएगा, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबर

युवा कांग्रेस अध्यक्ष कृष्ण अलावेलु बने बिहार प्रभारी, दी गई शुभकामनाएं

दैनिक बिहार पत्रिका।बांका

राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण अलावेलु को बिहार प्रभारी पद पर मनोनीत किए जाने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। बांका जिला कांग्रेस कमिटी के ओबीसी अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव एवं सोशल मीडिया टीम ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके संगठनात्मक अनुभव और मजबूत नेतृत्व से पार्टी को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा के संचार की उम्मीद जताई और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इंटक का सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को समर्थन

दैनिक बिहार पत्रिका।बांका

बौंसी। नगर पंचायत क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से पिछले सात दिनों से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सफाई कर्मियों का कहना है कि पिछले माह का मानदेय अब तक पूरी तरह नहीं मिला है। संवेदक प्रताप सेवा संकल्प को फिर से सफाई का कार्य सौंपा गया है, लेकिन अब तक सफाई कर्मियों से बातचीत नहीं हुई। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) ने हड़ताल का समर्थन किया है। रविवार को सफाई कर्मियों ने इंटक के जिला अध्यक्ष विनय कापरी से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। चर्चा के बाद 15 सदस्यीय टीम गठित की गई, जो हड़ताल और वार्ता से जुड़े मुद्दों पर काम करेगी। सफाई कर्मियों ने बताया कि सोमवार को संवेदक मुकेश कुमार के साथ वार्ता होगी, जिसके बाद सफाई कार्य फिर शुरू किया जा सकता है।

बैठक में प्रधान मंत्री के किसान रैली को सफल बनाने पर हुई चर्चा

ब्यूरो रिपोर्ट /दैनिक बिहार पत्रिका

शंभूगंज/बांका। रविवार को शंभूगंज बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक मंडल अध्यक्ष विश्वजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई । जिसमें आगामी 24 फरवरी को भागलपुर के हवाई अड्डे पर आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के किसान रैली की सफलता पर विस्तार से चर्चा हुई । बैठक में संबोधन करते हुए भाजपा नेता डॉ मृणाल शेखर ने बताया कि प्रधानमंत्री का भागलपुर आगमन प्रमंडल के किसानों के लिए गौरव की बात है। जहां से प्रधानमंत्री करोड़ों किसानों के लिए किसान सम्मान निधि की 19 वीं किस्त जारी करेंगे । बताया कि रैली को ऐतिहासिक और यादगार बनाना प्राथमिकता है। प्रत्येक पंचायत से तीन हजार लोगों को रैली में शामिल करने की चर्चा हुई । बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने बाजार सहित अन्य गांवों का भ्रमण कर निमंत्रण कार्ड वितरण किया । मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश , चंदन कुमार , सज्जन पासवान, सोनू शर्मा, कमलेश सिंह, अशोक ठाकुर, अप्पू सिंह सहित अन्य बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थें।

मात्र आठ कमरे में वर्ग 1 से 12 वीं कक्षा तक के बच्चों का हो रहा पठ पाठन

ब्यूरो रिपोर्ट /दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड क्षेत्र के प्रोन्नत मध्य विद्यालय सह उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुसुमजोरी परिसर फुलों का पौधा आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। वहीं मात्र आठ कमरे में वर्ग 1 से 12 वीं कक्षा तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है जिससे पठ पाठन प्रभावित हो रहा है। प्रधानाध्यापक पंकज पाण्डेय पिंकू ने बताया कि बिहार सरकार शिक्षा विभाग उत्क्रमित उच्च विद्यालय की मान्यता प्रदान कर दी है। लेकिन अतिरिक्त कमरे का निर्माण नहीं होने से परेशानी हो रही है। मौके पर मौजूद दक्षिणी वारने पंचायत के पंचायत समिति सदस्य छोटेलाल भगत ने प्रधानाध्यापक को आश्वस्त किया कि पंचायत समिति की बैठक में भी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के समक्ष सवाल उठाए जाएंगे।

आयोजन: जनता दरबार लगाकर सुनी आम जनों की समस्याएं

ब्यूरो रिपोर्ट /दैनिक बिहार पत्रिका

बेलहर/बांका। बेलहर प्रखंड के जदयू कार्यालय में आज रविवार के 10 बजे बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने लोगों की समस्या से अवगत हुए। वही मंत्री श्री कुशवाहा ने समस्या को जल्द ही खत्म करने की बात बताई। वही स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन श्रीनगर,अंबेडकर भवन,वर्क शेड को यथाशीघ्र निर्माण हेतु ज्ञापन सौंपा । आगामी विधानसभा को ध्यान में रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी के योजनाओं को डोर टू डोर जानकारी देने पर जोर दिया गया। इस मौके पर परमानंद यादव, जदयू जिला अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिवाकर पंडित,बेलहर जदयू प्रखंड अध्यक्ष सूरज हंसदा, श्याम सुंदर सिंह,सुरेश प्रसाद तांती,संतोष ठाकुर,मोतीलाल टुडू भोला गुप्ता,सुनील कुमार मंडल ,पंकज तांती सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

तीन थानों का मोस्ट वांटेड अपराधी गिरफ्तार, देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद

संयुक्त छापेमारी में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बाराहाट/बांका

बाराहाट, रजौन और बौंसी थाना क्षेत्र में अपराध का पर्याय बन चुके मोस्ट वांटेड अपराधी सुमन कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाराहाट और रजौन थाना पुलिस की संयुक्त छापेमारी में उसे उसके पैतृक आवास मिर्जापुर से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दबोचा गया। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने राहत की सांस ली है और क्षेत्र में अपराध की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

एसडीपीओ ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी

रविवार को बाराहाट थाना परिसर में बौंसी एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि सुमन कुमार के खिलाफ बाराहाट में चार, रजौन में तीन और बौंसी थाना में एक मामला दर्ज है। उस पर लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। लंबे

समय से पुलिस को उसकी तलाश थी, लेकिन वह हर बार चकमा देकर फरार हो जाता था।

गुप्त सूचना पर हुई छापेमारी

शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि सुमन कुमार अपने मिर्जापुर स्थित घर में मौजूद है। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की और उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और चोरी की हीरो कंपनी की मोटरसाइकिल बरामद की गई।

गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम

इस छापेमारी अभियान में अंचल निरीक्षक बौंसी राजरतन सिंह,राजौन थाना अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार, बाराहाट थाना अध्यक्ष दीपक पासवान, पुलिस पदाधिकारी राजू कुमार ठाकुर, धर्मनाथ प्रसाद, रोहित राज, संगीता कुमारी, मनोज कुमार सिंह सहित पुलिस बल के जवान पवन कुमार, अरुण कुमार, पुरुषोत्तम कुमार, प्रीतम कुमार, जितेंद्र कुमार, अशोक कुमार, दीपेंद्र कुमार और संजय कुमार शामिल थे।

अपराधी के खिलाफ कई मामले दर्ज

गिरफ्तार अपराधी सुमन कुमार पर लूट, आर्म्स एक्ट, उत्पाद अधिनियम और अन्य संगीन अपराधों के तहत कई मामले दर्ज हैं।

- बाराहाट थानाः आर्म्स एक्ट, लूट और चोरी से जुड़े 4 मामले।
- रजौन थानाः आर्म्स एक्ट और गंभीर अपराधों से जुड़े 3 मामले।
- बौंसी थानाः उत्पाद अधिनियम के तहत मामला।

पुलिस करेगी आगे की कार्रवाई

बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा और उसके अन्य आपराधिक मामलों की जांच जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह किन-किन अपराधियों के संपर्क में था और किन मामलों में उसकी संलिप्तता रही है।

आरपीएफ ने चलाया जन जागरूकता अभियान, यात्रियों को किया सतर्क

दैनिक बिहार पत्रिका।खगड़िया

आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम और आरक्षी सज्जन कुमार के नेतृत्व में साहेबपुर कमाल स्टेशन के पास फूलमलिक गांव में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान एक पुस्तकालय के उद्घाटन मौके पर उपस्थित लोगों को रेल यात्रा के दौरान नियमों का पालन करने की अपील की गई। खगड़िया स्टेशन पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक द्वारा स्टेशन रोड की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस-पब्लिक मीटिंग आयोजित की गई। इसमें स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया में अनधिकृत पार्किंग पर कार्रवाई और पार्किंग स्टैंड के नियमों को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। महाकुंभ के मद्देनजर खगड़िया स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। यात्रियों से अनुरोध किया गया कि भीड़ का हिस्सा न बनें, यात्रा की पहले से योजना बनाएं, अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहें, चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने से बचें और रेलवे संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं। रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए सतर्क रहने और रेलवे नियमों का पालन करने की सलाह दी।

जिलाधिकारी ने 15 दिव्यांगजनों को बैट्रीचालित ट्राई साइकिल सौंपा

दैनिक बिहार पत्रिका। वैशाली

वैशाली समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी यशपाल मीणा ने मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना के तहत चयनित 15 दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राई साइकिल प्रदान किया। इस अवसर जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक और स्थानीय विधायक ने हरी झंडी दिखाकर दिव्यांगजनों को बैट्रीचालित ट्राई साइकिल के साथ रवाना किया। लाभुकों ने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता की है। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग की सहायक निदेशक साक्षी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला स्क्रीनिंग समिति द्वारा कुल 376 दिव्यागजनों को बैट्री चालित ट्राई साइकिल हेतु चयनित एवं स्वीकृति प्रदान की गई है। वैशाली जिला में वित्तीय वर्ष 2022-23 से अभी तक कुल 868 दिव्यांगजनों को जिला स्क्रीनिंग समिति के माध्यम से स्वीकृति प्रदान की गई है।

इनमें से कुल 700 दिव्यांगजनों को बैट्रीचालित ट्राई साइकिल प्रदान की जा चुकी है। साथ ही समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित अंतरजातीय विवाह योजना अंतर्गत कुल 10 लाभुकों को जिला पदाधिकारी द्वारा इस योजना अंतर्गत सावधि जमा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस योजना के तहत अब तक कुल 101 लाभुकों को सावधि जमा प्रमाण पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।यह योजना 2014 से लागू है। इस योजना के अंतर्गत समाज में जाति प्रथा को समाप्त करने, दहेज प्रथा को हतोत्साहित करने तथा अंतरजातीय विवाह करने वाली महिला को प्रोत्साहन स्वरूप एक लाख रुपया की आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य योजना शुरू की गई है। जिला पदाधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह योजना अंतर्गत 6 लाभुकों को सावधि जमा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वैशाली जिला अंतर्गत कुल 41 दिव्यांग जनों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार अंतर्गत संचालित नशामुक्ति भारत अभियान अंतर्गत नशा न करने एवं नशा से होने वाले कुप्रभाव हेतु जागरूक करने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा प्रचार गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह,एसडीएम रामबाबू बैठा, डीपीआरओ नीरज, एडीएसएस साक्षी,एडीसीपी बिनोद कुमार ठाकुर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सोमवार 17 फरवरी से होगी 70 केन्द्रों पर मैट्रिक की परीक्षा

कुल 57951 परीक्षार्थी हो रहे हैं शामिल

दैनिक बिहार पत्रिका।वैशाली

वैशाली जिला में कुल 70 परीक्षा केंद्र बनाया गए हैं। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में जिला में कुल 57951 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 27635 तथा छात्राओं की संख्या 30316 है। यानि छात्राओं की संख्या छात्रों से कहीं अधिक है। जिला प्रशासन द्वारा कदाचार मुक्त एवं स्वच्छ परीक्षा संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जिलाधिकारी यशपाल मीणा और पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा द्वारा केन्द्राधीक्षकों के साथ ही प्रतिनियुक्ति स्टैटिक, सीनियर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारियों के साथ ज्वाइंट ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग में बताया गया की परीक्षा के सफल संचालन के लिए एक संयुक्त आदेश जारी किया गया है। सभी केंद्र अधीक्षक और प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी इस आदेश का अक्षरशः पालन करेंगे। केंद्र पर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रों के आसपास धारा 144 लगाए गए हैं। जो परीक्षार्थी, अभिभावक, शिक्षक, केंद्र अधीक्षक, पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारी या पुलिसकर्मी यदि परीक्षा में कदाचार करते या उसे बढ़ावा देते हुए पाए जाएंगे तो उन्हें छह माह के लिए जेल जाना पड़ेगा। निदेश दिया गया कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी परीक्षा केंद्र पर पूर्वाह्न 7:30 बजे तक अवश्य पहुंच जाएंगे। केंद्र अधीक्षक को छोड़कर किसी भी पदाधिकारी,पुलिस अधिकारी या कर्मचारियों को परीक्षा केंद्र में मोबाइल नहीं ले जाना है। परीक्षा केंद्रों में उन्हें ही प्रवेश दिया जाएगा, जिनके पास एडमिट कार्ड एवं एक फोटो युक्त पहचान पत्र हो। परीक्षार्थियों को प्रथम पाली में पूर्वाह्न 9:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अपराह्न 1.30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर जाना है। इसके बाद प्रवेश बंद हो जाएगा। यदि कोई परीक्षार्थी लेट से केंद्र पर पहुंचता है और बाउंड्री फांद कर या बलजोरी परीक्षा केंद्र में प्रवेश की कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा से निष्कासित करते हुए एफआईआर दर्ज की जाएगी। परीक्षार्थियों के लिए जूता मोजा पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश करना वर्जित है। वे चप्पल पहनकर ही प्रवेश करेंगे। तीन स्तरों पर तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्र में जाने की अनुमति मिलेगी। बताया गया की परीक्षा संचालन के क्रम में कदाचार के आरोप में गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध दायर मुकदमों के समरी ट्रायल एवं दंड विचारण हेतु हाजीपुर अनुमंडल में चार, महुआ और महनार अनुमंडल में दो-दो विशेष न्यायिक दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा के दौरान समाहरणालय सभा कक्ष में जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। इसका दूरभाष संख्या 06224- 260 220 है। महुआ अनुमंडल के नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या है 06227- 223214 तथा महनार अनुमंडल के नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या है 06229 -235220 यह नियंत्रण कक्ष परीक्षा अवधि में पूर्वाहन 7:30 बजे से परीक्षा समाप्ति तक लगातार कार्यरत रहेगा। जॉइंट ब्रीफिंग में अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार, अपर समाहर्ता (आपदा) अरुण कुमार सिंह, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. एहसान अहमद, सभी अनुमंडल के एसडीएम, डीपीआरओ नीरज, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी सहित सभी केंद्र अधीक्षक, प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान हाजीपुर का निरीक्षण किया

दैनिक बिहार पत्रिका। वैशाली

जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान हाजीपुर का निरीक्षण किया उन्होंने बदलते हुए मौसम को देखते हुए बच्चों को ठंड से बचा कर रखने का निर्देश दिया। विदित हो कि किशोर न्याय (बालकों की देख रेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2021 की धारा 54 तथा बिहार किशोर न्याय (बालकों की देख रेख एवं संरक्षण) नियमावली 2017 के नियम 41(8) के अधीन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित आठ सदस्यीय जिला निरीक्षण समिति के द्वारा प्रत्येक तिमाही में जिला के अंतर्गत संचालित सभी बाल देख रेख संस्थाओं का निरीक्षण कर प्रत्येक बाल देखरेख संस्थान में बच्चों को दी जा रही सुविधा, उनके रखरखाव एवं उनके पुनर्वासन के संबंध में उठाए गए कदमों की जांच करना है, जिसके आलोक में वहां पाई गई कमियों का निराकरण कर बच्चों को बेहतर सुविधा देने के दिशा में आवश्यक कदम उठाया जा सके। इसके अलावा किशोर न्याय (बालकों की देख रेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2021 की धारा 56 के अधीन जिला पदाधिकारी को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान में आवासित बच्चों का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिसूचित दत्तक ग्रहण विनियमन 2022 में दिए गए प्रावधानों के आलोक में दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने पर दत्तक ग्रहण आदेश भी जारी करना है। उक्त आलोक में वैशाली जिला में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, अंदर किला पंचायत भवन के पास एसडीओ रोड में संचालित है जिसकी जांच जिला पदाधिकारी के द्वारा की गई।वर्तमान में पांच बच्चे आवासित हैं। उन्होंने उप विकास आयुक्त को गृह में ही आधार कर्मी को भेज कर आवासित बच्चों के आधार कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के साथ सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई विनोद कुमार ठाकुर भी उपस्थित रहे।

डीलर द्वारा कम राशन देने का लगाया आरोप

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/कटोरिया। प्रखंड के बसमत्ता पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर एक कालझर गांव की पीडीएस दुकान दार अनिता देवी द्वारा गरीब कल्याण योजना के तहत मिलने राशन लाभुकों को कम अनाज देने का आरोप लगाया है। इस संदर्भ में ग्रामींणों ने बताया की एक युनिट पर 750 ग्राम कम अनाज सभी को देते है। जिनके हिसाब से एक घर में यदि पांच सदस्य है तो चार किलो आनाज कम देते हैं। साथ ही ग्रामीणों का आरोप बताया कि आनाज देने के बाद फिंगर प्रिंट मशीन से निकला हुआ पर्ची किसी ग्रामीणों को नही देते हैं। एवं सरकार द्वारा आये हुए लिखित पंजी में सिर्फ ग्रामीणों का टिपा या दस्तखत लेते हैं। इसके अलावा सफेद दूसरा प्राईवेट कॉपी पर कार्डधारक का नाम लिखकर कितना आनाज दिया वो रेट पेंसिल से लिखकर खानाबदोश कर लेते हैं।

ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर जबाव देने के बजाय धमकी देकर देख लेने की बात करती है। इधर इस माममले में ग्रामीणों ने अपनी समस्या जाहिर करते हुए लिखित आवेदन बनाकर सामुहिक रूप से हस्ताक्षर कर समस्या निदान हेतू सरकारी अधिकारियों से जांच पड़ताल करने की मांग की है। मौके पर ग्रामीण देवेन्द्र

यादव, अमृत यादव, उपेंद्र यादव, छोटकी मंझियेन, सोना मुनी सोरेन, राजेश यादव, मीना देवी, रधीका देवी, तगधू यादव, भोला यादव आदि सामिल थे। इस संदर्भ में कटोरिया बीडीओ विजय कुमार सौरभ ने कहा कि ग्रामीणों की लिखित शिकायत मिलने पर जाँच कर कार्रवाई = किया जायगा। वहीं एम.ओ संदीप वर्णवाल का कहना है कि लाभुक राशन कार्ड धारी को सरकारी नियमानुसार पांच किलो प्रत्येक आदमी पर अनाज देना है। यदि पांच किलो से कम अनाज डिलर द्वारा दिया जा रहा है तो ये गलत है इनका जांच कर करवाई की जाएगी।

351 कन्यायो के सामूहिक विवाह के लिए पूजा अर्चना करते हुए सचिव विकास माली

दैनिक बिहार पत्रिका।गया

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी द्वारा आयोजित 351 कन्याओं के सामूहिक विवाह के सफल आयोजन के लिए संस्था के सचिव विकास माली ने रविवार को मां गढ़ देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक विवाह समारोह 19 फरवरी को दानरो नदी के छठ घाट पर संपन्न होगा। इस आयोजन की सफलता के लिए शहरभर में भिक्षाटन कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई है। ताकि अधिक से अधिक लोगों का सहयोग प्राप्त हो सके। विकास माली ने आम जनता से इस पुण्य कार्य में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा, जिला में आयोजित यह सामूहिक विवाह इतिहास रचेगा। समाज के सभी लोगों से अनुरोध है कि वे इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें और विवाह के दिन वर-वधु को आशीर्वाद देने अवश्य आए।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025:

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी

रोहित, कोहली और इस खिलाड़ी का चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की तरफ से कई स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे जो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी पड़ाव पर चल रहे हैं। अब उन खिलाड़ियों को लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि ये इन खिलाड़ियों का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। आकाश का मानना है कि विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा अपना आखिरी आईसीसी इवेंट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के रूप में खेलेंगे। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया।

कोहली, रोहित और जडेजा भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले थे और टीम के चैंपियन बनने के बाद इन तीनों ने एक साथ ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। अब आकाश चोपड़ा का मानना है कि इन तीनों खिलाड़ियों के लिए ये आईसीसी का आखिरी इवेंट हो सकता है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी इन तीनों खिलाड़ियों के लिए आखिरी आईसीसी इवेंट होगा। इसके लिए उन्होंने इन तीनों की उम्र और उनके करियर के उतार-चढ़ाव का हवाला दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर ये खिलाड़ी भारत के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो ये आदर्श स्थिति नहीं होगी।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि मैं भारी मन से कह रहा हूंकि इसकी प्रबल संभावना है। चैंपियंस ट्रॉफी होने वाली है और उसके बाद इस साल एक और आईसीसी इवेंट होगा जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल है और हम वहां नहीं पहुंचे थे। इसलिए विराट कोहली, रोहित और जडेजा में से कोई भी उसमें नहीं खेलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद अगले साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, लेकिन तीनों इससे रिटायर हो चुके हैं और वहां भी नहीं खेलेंगे। आकाश चोपड़ा ने इसके बाद कहा कि इसके बाद 2027 में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा जो अभी दूर है। 2027 तक दुनिया अलग दिखेगी और काफी कुछ बदल चुका होगा। ऐसे में मुझे ही नहीं इन खिलाड़ियों को भी लग रहा होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 उनका आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। आपको बता दें कि कोहली इस वक्त 36 साल के हैं जबकि रोहित शर्मा 37 वर्ष के हैं और दोनों पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से टीम इंडिया की बल्लेबाजी के पिलर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी दोनों से काफी उम्मीदें हैं।

कोई फर्क नहीं पड़ेगा...

बुमराह पर बीसीसीआई के बयान ने मचा दी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं. सभी आठ टीमों को अपने स्क्वाड का ऐलान करने के बाद बड़ा झटका लगा है. लगभग सभी टीमों का कोइ ना कोई स्टार खिलाड़ी चोट के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया. सबसे बड़ा झटका टीम इंडिया ने झेला. बैक इंजरी के चलते दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं. इस दिग्गज गेंदबाज की कमी फैंस और टीम इंडिया को इस बड़े टूर्नामेंट में जरूर खलेगी. हालांकि बीसीसीआई का मानना है कि टीम इंडिया को बुमराह की कमी महसूस नहीं होगी. जसप्रीत बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयाना दिया है. उन्होंने कहा कि बुमराह के ना होने पर भी टीम कॉम्बिनेशन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. सैकिया ने बात करते हुए कहा, 'हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिस टीम का सेलेक्शन किया है वो सर्वश्रेष्ठ टीम है. हमारे पास इतनी बड़ी बेंच स्ट्रेंथ है और मुझे नहीं लगता कि इससे (बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने से) टीम कॉम्बिनेशन पर कुछ असर होगा'.

फ्रीस्टाईल चेसः

फिरोजा से हारे गुकेश, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अंतिम स्थान पर रहे

हैम्बर्ग (जर्मनी), एजेंसी। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ।

गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूर्नामेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन आखिर में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों की अंतिम स्थिति इस प्रकार रही- 1. विंसेंट कीमर; 2. फैबियानो कारुआना; 3. मैग्नस कार्लसन; 4. जावोखिर सिंदारोव; 5. हिकारू नाकामुरा; 6. नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव; 7. अलीरेज़ा फ़िरोज़ा; 8. डी गुकेश।

आईएसपीएल सीजन-2- श्रीनगर फाइनल में पहुंची

एलिमिनेटर में हैदराबाद को 8 विकेट से हराया, फाइनल में मुंबई से मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग सीजन-2 के एलिमिनेटर में श्रीनगर ने हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 10 ओवर में 89/6 का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीनगर के सागर अली की फिफ्टी के चलते टीम ने 8.4 ओवर में 92 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। फाइनल में टीम का मुकाबला आज माझी मुंबई से होगा। एलिमिनेटर का टॉस श्रीनगर ने जीता। टीम ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया।

मंसूर ने नाबाद 46 रन बनाए हैदराबाद की शुरुआत खराब रही। टीम ने अपने पहले 5 विकेट मात्र 24 रन पर गंवा दिए। ओपनर किसन सातपुते (6 रन), पदमेश म्हात्रे (5 रन), आकाश जांगिड़ (शून्य रन), परबजोत सिंह (2 रन), विश्वजीत ठाकुर (10 रन) बनाकर आउट हुए। श्रीनगर से राजेश सोरते ने 3 विकेट लिए। मिडिल आर्डर बैट्समैन मंसूर ने हैदराबाद की

पारी को संभाला। उन्होंने तेजी से खेलते हुए 19 बॉल पर 46 रन बनाए। पारी में 3 चौके और 3 छक्के भी लगाए, उनका साथ टीम के कप्तान संभाजी पाटिल ने दिए। उन्होंने 7 रन बनाए।

मंसूर केएल ने 242.10 के स्ट्राइक रेट से 46 रन बनाए। सागर ने एक ओवर में 43 रन बनाए टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर सागर अली ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 26 बॉल पर 53 रन बनाए। पारी में 2 चौके और 5 छक्के लगाए। इन 5 सिक्स में सागर ने विश्वजीत ठाकुर के एक ओवर लगातार 4 छक्के लगा दिए। आईएसपीएल के 50-50 ओवर में सागर और संस्कार की जोड़ी ने 29 रन बनाए। इस ओवर के नियम मुताबिक श्रीनगर को बनाए हुए रन के आधे रन और मिले यानी टीम ने ओवर में जो रन बनाए उसमें 14 रन और जुड़े, कुल 43 रन बने।

सागर अली टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने शुक्रवार को 5 छक्के और 2 चौके की मदद से 53 रन बनाए। क्या होता है आईएसपीएल का 50-50 ओवर आईएसपीएल टूर्नामेंट में हर मैच 10-10 ओवर के होते हैं।

इन 10 ओवर में 2 आईएसपीएल ओवर होता है और एक ओवर 50-50 का होता है। आईएसपीएल ओवर्स में बॉलर को नई बॉल होती हैं, जिसपर टेपिंग हुई होती हैं। यह बॉल पिच से पढ़कर एक ही तरफ स्विंग होती हैं। वहीं 50-50 ओवर बल्लेबाजी कर रही टीम डिसाइड करती हैं की उसे 10 ओवर के बीच का यह ओवर लेना हैं। इस ओवर में बैटिंग टीम अपने लिए एक टारगेट सेट करती हैं।

उदाहरण के लिए मान लीजिए किसी टीम ने 50-50 ओवर का टारगेट 10 रन सेट किया हैं

पुलवामा हमले में शहीद हुए जवान के बेटे का अंडर-19 टीम में चयन... वीरेंद्र सहवाग ने बताई कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को 6 साल पूरे हो चुके हैं. 14 फरवरी 2019 को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी ने विस्फोटक से लदे वाहन को आरपीएफ जवानों की बस से टक्कर मार दी थी. इस टक्कर के बाद एक जोरदार धमाका हुआ. हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे.

सहवाग ने लिया था ये फैसला...

पुलवामा हमले के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक दिल जीतने वाला फैसला लिया था. सहवाग ने पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली. सहवाग ये जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं. राहुल सोरेंग और अर्पित सिंह झज्जर स्थित सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई करते हैं. राहुल के पिता विजय सोरेंग और अपित सिंह के पिता राम वकील उस आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे. राहुल सोरेंग तो अब क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बना रहे हैं. राहुल सोरेंगे का चयन हाल ही में हरियाणा अंडर-19 टीम में हुआ है. इसकी जानकारी वीरेंद्र सहवाग ने खुद दी है. वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा अटैक की छठी बरसी पर एक मार्मिक पोस्ट शेयर किया. सहवाग ने लिखा, इस दुखद दिन को 6 साल हो गए है.

तिराना टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं भारतीय पहलवान, मंत्रालय-महासंघ ने एक-दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था।

भारतीय पहलवान अल्बानिया में वर्ष की दूसरी रैंकिंग सीरिज से बाहर रहेंगे चूंकि खेल मंत्रालय ने यह कहकर मंजूरी रोक दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने समय पर जरूरी अनुशंसा जमा नहीं की जबकि महासंघ ने इस आरोप को खारिज किया। मंत्रालय और निलंबित डब्ल्यूएफआई के बीच मतभेदों के चलते भारतीय पहलवान क्रोएशिया के जगरेब में पहली रैंकिंग सीरिज से बाहर रह चुके हैं।

दूसरा रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट 26 फरवरी से दो मार्च तक अल्बानिया में होगा। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था। डब्ल्यूएफआई ने ऐन मौके पर प्रस्ताव भेजा और प्रस्तावित नाम भेजने में भी विलंब हुआ। इसलिए मंजूरी नहीं दी जा सकी।

नेशनल गेम्स 2025:

ओडिशा सरकार का तोहफा, पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देगी

भुवनेश्वर, एजेंसी। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14

स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा, ओडिशा ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ी है और वह पदक तालिका में शीर्ष 15 राज्यों में शामिल रहा। 14 स्वर्ण सहित 46 पदक जीतना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैं सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं। सेना के कुल 121 (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) पदक हो गए।

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया। चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस

मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।

मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी। 45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए।

डब्ल्यूपीएल 2025:

ऋचा घोष की तूफानी पारी, 6 विकेट से जीती आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना के नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम ने गुजरात जायंट्स को वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में चल रहे मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने पहले खेलते हुए मजबूत शुरूआत की थी। बेथ मूनी ने 56, एशले गाडर्नर ने 79 रन बनाकर स्कोर 201 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी आरसीबी ने खराब शुरूआत के बावजूद एलिसा पेरी और ऋचा घोष के अर्धशतकों की मदद से यह मुकाबला 19वें ओवर में जीत लिया।

गुजरात जाइंट्सः201/5 (20 ओवर)

गत चैम्पियन आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। स्कोर बोर्ड पर जब 41 रन टंगे थे तब लौरा वोल्वार्ट और डी हेमलता पवेलियन लौट गए लेकिन गार्डनर और मूनी ने टीम को इन झटकों से निकाला। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। मूनी को लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने आउट किया जिनका कैच मंधाना

ने लपका। गार्डनर ने इसके बाद वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन (13 गेंद में 25 रन) के साथ 5 ओवर में 67 रन जोड़े। डोटिन ने अपनी आक्रामक पारी में 3 चौके और 1 छक्का लगाया। महिलाओं की एशेज श्रृंखला से ही शानदार फॉर्म में चल रही गार्डनर ने प्रेमा और भारत की अंडर 19 तेज गेंदबाज वीजे जोशिता को 1 ओवर में 3 छक्के लगाए। डोटिन को तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने आउट किया लेकिन तब तक गुजरात की टीम बड़ा स्कोर बना चुकी थी। रेणुका ने 25 रन देकर 2 विकेट लिए।

आरसीबीः 202-4 (18.3 ओवर)

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना ने 9 तो डेनियल ने 4 ही रन बनाए। तभी एलिसा पेरी ने राघवी के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। एलिसा ने विकेट के चारों ओर शॉट लगाए और 34 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। वहीं, राघवी ने 27 गेंदों पर 25 रनों का योगदान दिया।

स्कोर जब 109 रन पर चार विकेट था तब ऋचा घोष और कनिका ने स्कोर संभाला। ऋचा तो इस दौरान अलग ही लय में दिखी। उन्होंने 27 गेंदों पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। वहीं, कनिका ने 13 गेंदों पर 30 रन बनाकर 19वें ओवर में ही अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी।

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

विश्व कैंसर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है।

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वगीर्कृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरूआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने

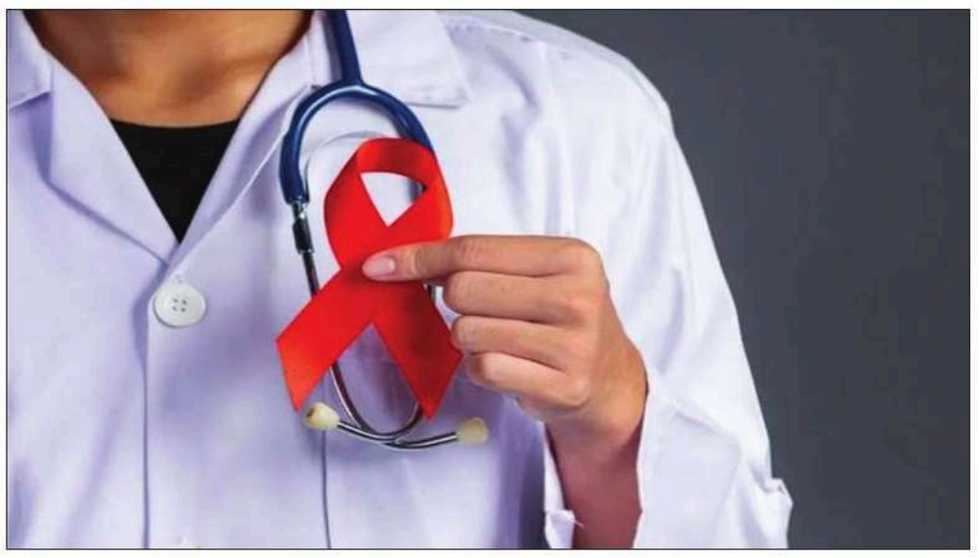

कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5% बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरूआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर-के और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहतकारी बजट

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए बजट में मध्यम वर्ग के लिए राहत की बड़ी सौगात दी है। यह कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं लगेगा जिससे लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सकेगा। फलस्वरूप घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक गतिविधियों में रवानी आने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने शनिवार को लोक सभा में वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जो उनका लगातार आठवां बजट रहा, जो कीर्तिमान है। इस राहत से करीब एक करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का भी प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा है कि 'यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा'। बेशक, बजट में जिस प्रकार से आयकर से राहत दी गई है, वह बाकी सभी बजट प्रावधानों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दिखलाई पड़ रही है। हालांकि हर बजटीय प्रावधान खासे विमर्श के बाद किया जाता है। लेकिन आयकर में राहत महत्त्वपूर्ण है क्यों कि अरसे से इस बाबत मांग की जा रही थी। अब यह राहत मिली है, तो इसे कुछ लोग चुनाव के मद्देनजर किया गया बदलाव करार दे रहे हैं। इस साल के आखिर में बिहार और इसी फरवरी में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हैं। बिहार के लिए भी पैकेज घोषित किया है, और आयकर में राहत से एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली के 85 प्रतिशत करदाताओं को अब आयकर नहीं देना पड़ेगा। बहरहाल, आम बजट से चुनावी से इतर अनेक लाभ मिलने तय हैं। महंगाई कम करने के साथ ही बजट रोजगार सृजन में सहायक होगा। रक्षा क्षेत्र और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने के साथ ही नियामक सुधारों पर बल दिया गया है। वरिष्ठ जन की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय को कर-मुक्त रखा गया है, जो यकीनन सराहनीय है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भी उत्साहजनक ऐलान है। स्वास्थ्य क्षेत्र और

सैफ अब सेफ लेकिन सवाल हैं ढ़ेरों अनसुलझे, अनसेफ..!

ऋतुपर्ण दवे

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट। फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर 16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफ अपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है। खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है। देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है। लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलक झपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं। तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई। उससे हाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच 35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से 19 जनवरी को कथित असली आरोपी हाथ लगता है। इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुल इस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है कि सी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है। देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है। बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेज और गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है। सी.सी.टी.वी. में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेज वाला बनिस्बत युवा। माथे का आकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी. वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ी और बादाम के आकार सी है। सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफ झलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है। गिरफ्तार की नाक चौड़ी है। फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया। चूंकि उन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला। जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफ बेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसने या नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों को तकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया? जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही।

परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया। आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी? शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फिट कैसे हो गए? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेस को मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा। बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर की चोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे। इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियां इतनी कि थमने के बजाए रोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला, पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है कि घटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना। इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां, पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

मुद्दा : परिवेशगत सुधार की जरूरत

विनीत नारायण

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है?

कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाड़ियों पर खर्चा करने की बजाय खचीर्ले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते।

नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की।

ह्यसब चलता हैह्ण और ह्यऐसे ही चलेगाह्ण कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि ह्यदेश सुधरेगा क्यों नहीं ?ह्ण ह्यहम ऐसे ही चलने नहीं देंगेह्ण। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर-कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता।

आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा। नारे बहुत दिए जाएंगे पर परिणाम केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। सरकारों ने अगर अपने अधिकारियों के विरोध की परवाह करते हुए अपने कार्यकालों में कई सक्षम लोगों को यदि खुली छूट न दी होती तो अमूल और मेट्रो जैसे हजारों करोड़ के साम्राज्य कैसे खड़े होते? आम आदमी के लिए रोजगार का सृजन करना हो या देश की गरीबी दूर करना हो, सरकार की नीतियों में बुनियादी बदलाव लाना होगा। केवल आंकड़े ही नहीं साक्षात परिणाम देख कर भी नीति बननी चाहिए।

खोजी पत्रकारिता के चार दशक के मेरे अनुभव यही रहे कि बड़े से बड़ा भ्रष्टाचार बड़ी बेशर्मी से कर दिया जाता है पर सच्चाई और अच्छाई का डट कर साथ देने की हिम्मत हमारे राजनेताओं में नहीं है। इसीलिए देश का सही विकास नहीं हो रहा। खाई बढ़ रही है। हताशा बढ़ रही है। हिंसा बढ़ रही है। पर नेता चारों ओर लगी आग देख कर भी कबूतर की तरह आंखें बंद किये बैठे हैं। इसलिए फिर से समाज के मध्यम वर्ग को समाज के हित में सक्रिय होना होगा। मशाल लेकर खड़ा होना होगा। टीवी सीरियलों और उपभोक्तावाद के चंगुल से बाहर निकल कर अपने इर्द-गिर्द की बदहाली पर निगाह डालनी होगी ताकि हमारा खून खौले और हम बेहतर बदलाव के निमित्त बन सकें।

विनाश के मूक द्रष्टा नहीं। तब ही हम सही मायने में आजाद हो पाएंगे। फिलहाल तो उन्हीं अंग्रेजों के गुलाम हैं जिनसे आजादी हासिल करने का मुगालता

लिए बैठे हैं। हमारे दिमागों पर उन्हीं का कब्जा है जो घटने की बजाय बढ़ता जा रहा है। ये बातें या तो शेखचिल्ली के ख्वाब जैसी लगती हैं या किसी संत का उपदेश। पर ऐसा नहीं है। इन्हीं हालात में बहुत कुछ किया जा सकता है। देश के हजारों लाखों लोग रात दिन निष्काम भाव से समाज के हित में समर्पित जीवन जी रहे हैं। हम इतना त्याग न भी करें तो भी इतना तो कर ही सकते हैं कि अपने इर्द-गिर्द की गंदगी को साफ करने की ईमानदार कोशिश करें। चाहे वह गंदगी हमारे दिमागों में हो, हमारे परिवेश में हो या हमारे समाज में हो। हम नहीं कोशिश करेंगे तो दूसरा कौन आकर हमारा देश सुधारेगा?

खाने के बेहतरीन स्वाद के लिए घर पर तैयार कर रही हैं मसाला, तो इन बातों का रखें ध्यान

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की [ालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। अमूमन हम बाजार के रेडीमेड मसाले लाकर उनका इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन कभी-कभी उनमें मिलावट होती है और हमें इसका पता ही नहीं चलता है। ऐसे में खाना काफी फीका व बेस्वाद सा लगता है। साथ ही साथ, मिलावटी मसालों के कारण सेहत को भी काफी नुकसान होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप खुद घर पर ही अलग-अलग तरह के मसाले बनाकर उन्हें स्टोर करें। घर पर मसाले तैयार करते समय थोड़ी अतिरिक्त मेहनत अवश्य लगती है, लेकिन खाने का स्वाद बेहद ही लाजवाब आता है। अगर आप भी घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जानिए इस लेख में-

क्वालिटी के साथ ना करें समझौता

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की क्वालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो। अगर साबुत मसाले की क्वालिटी अच्छी होती है, तभी आपके पीसे हुए मसालों का स्वाद उतना लाजवाब लगता है।

अनुपात में ना हो गड़बड़

अमूमन हम सभी घर पर कई तरह के मसालों को तैयार करते हैं, फिर चाहे वह गरम मसाला हो, सांभर मसाला हो या चाट मसाला। एक परफेक्ट टेस्ट के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप मसालों के अनुपात का खास ख्याल रखें। दरअसल, हर मसाले के मिश्रण का अपना खास अनुपात होता है, इसलिए आप उसी अनुपात को ध्यान में रखकर मसला तैयार करें।

पहले करें ड्राई रोस्ट

जब आप घर पर मसाला बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले साबुत मसाले को ड्राई रोस्ट जरूर करें। मसालों को ड्राई रोस्ट करने से उनका स्वाद और खुशबू दोनों बढ़ जाती है। इसके लिए, आप भारी तले वाले पैन का इस्तेमाल करें और धीमी आंच पर इसे भूनें। ध्यान दें कि हर मसाले को अलग-अलग भूनें, क्योंकि सभी को भूनने का समय अलग-अलग होता है। साथ ही साथ, इसे जलने से बचने के लिए भूनते समय हिलाते रहें।

चॉकलेट पराठा बनाते समय ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा स्वाद

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं।

ठंड के मौसम में पराठा खाना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन अगर आप बच्चों के लिए कुछ अच्छा व अलग तरह का पराठा बनाना चाहते हैं तो ऐसे में चॉकलेट पराठा बनाया जा सकता है। चॉकलेट का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान छा जाती है, तो जरा सोचिए कि चॉकलेट पराठा का नाम सुनकर वे कितना ज्यादा खुश होंगे। खासतौर से, जिन बच्चों को मीठा खाना काफी पसंद होता है, उनके लिए चॉकलेट पराठा किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यूं तो चॉकलेट पराठा खाने में काफी सॉफ्ट लगता है, लेकिन अधिकतर इसे बनाते समय हम इसमें कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाता है। यह काफी सख्त और जला हुआ महसूस होता है या फिर इसकी फिलिंग बाहर निकलने लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चॉकलेट पराठा बनाते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

गलत चॉकलेट का इस्तेमाल करना

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं। कोशिश करें कि आप चॉकलेट पराठा बनाने के लिए सेमी-स्वीट या डार्क चॉकलेट चुनें।

पराठे में बहुत ज्यादा चॉकलेट भरना

अक्सर हम पराठा को बहुत ज्यादा टेस्टी बनाने के चक्कर में उसमें बहुत ज्यादा चॉकलेट भर देते हैं। ऐसा करना शायद आपको अच्छा लगता हो, लेकिन इससे पराठे को रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि इससे पराठा बेलते समय उसके फटने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा सही मात्रा में ही चॉकलेट का इस्तेमाल करें।

ठीक से सील न करना

चॉकलेट पराठा बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जबकि हम इसमें अक्सर गड़बड़ कर बैठते हैं। अगर पराठे के किनारों को अच्छी तरह से सील नहीं किया गया है, तो खाना बनाते समय चॉकलेट बाहर निकल जाएगी, जिससे चिपचिपापन पैदा होगा। इसलिए किनारों को सही तरह से सील करें और उन्हें सील करने से पहले उन्हें पानी या दूध से थोड़ा गीला कर लें।

तेज आंच पर पकाना

चॉकलेट पराठा बनाते समय उसे कभी भी तेज आंच पर पकाने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप तेज आंच पर चॉकलेट पराठा बना रहे हैं तो इससे पराठे की आउटर लेयर पिघल सकती है, जबकि अंदर की चॉकलेट नहीं पिघलेगी। इसलिए पराठा को समान रूप से पकाने के लिए आंच को मध्यम-धीमा रखें।

सर्दियों में डल हो गया है फेस तो अप्लाई करें मक्के के आटे का फेसपैक, शीशे सी चमकेगी त्वचा

आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

सर्दियों में मौसम में अक्सर हमारी स्किन डल हो जाती है। ऐसे में हर कोई इस मौसम में अपनी स्किन का खास ख्याल रखता है। स्किन केयर के लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं और बहुत से लोग घरेलू नुस्खे भी अपनाते हैं। अगर आप भी ब्यूटी प्रोडक्ट से ज्यादा घरेलू नुस्खों पर भरोसा रखती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि सर्दियों में हम आपको स्किन केयर में मक्के का आटा इस्तेमाल करना सिखा रहे हैं।

दरअसल, मक्के के आटे में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, मिनरल्स और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह आपकी स्किन को पोषण देने के साथ त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। ऐसे में आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

स्किन को मिलेगा निखार

मक्के का आटा हमारी स्किन की गहराई से सफाई करता है और नेचुरल चमक देता है। अगर आप सप्ताह में दो-तीन बार इस आटे से बने फेसपैक का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपका फेस खिल उठेगा।

डेड स्किन होगी खत्म

मक्के का आटा स्क्रब की तरह काम करता है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में सहायता करता है। आप बिना सोचे-समझे सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं।

झुर्रियां कम होंगी

मक्के के आटे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो स्किन को जवां बनाए रखते हैं। इस फेसपैक को अप्लाई करने से स्किन की झुर्रियां कम हो जाती हैं। साथ ही यह फेसपैक पिगमेंटेशन और टैनिंग को भी कम करता है।

फेस पैक बनाने का सामान

मक्के का आटा - 2 बड़े चम्मच
दूध - 2-3 बड़े चम्मच
शहद - 1 चम्मच
गुलाब जल - 1-2 चम्मच

ऐसे बनाएं

यह फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में मक्के का आटा लें। अब इसमें धीरे-धीरे कच्चा दूध डालें और इसको अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें शहद और गुलाबजल मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। लगाने के बाद इसको 15-20 मिनट तक सूखने दें। अब हल्के गुनगुने पानी से स्क्रब करते हुए चेहरा धो लें।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि यह फेसपैक आपकी स्किन को नेचुरल रूप से स्वस्थ और चमकदार बनाएगा। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखता है। क्योंकि अगर आपकी स्किन संवेदनशील है, तो आपको पहले पैट टेस्ट जरूर करना चाहिए। इस फेसपैक को आंखों और होंठों के आसपास न लगाएं। क्योंकि अगर यह गलती से आंख के अंदर चला जाता है, तो आपको दिक्कत हो सकती है।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आज से ही पीना शुरु कर दें यह सूप

अगर आप भी बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो घर में यह सूप जरुर बनाएं। इस सूप बनाने के लिए आपको बस यह चीजें चाहिए। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की विधि।

आज के समय में महिलाओं को बिना मेकअप के खूबसूरत दिखना है। अगर आप भी चाहती हैं निखरी और दमकती त्वचा, तो आप अपने में डाइट में हेल्दी चीजें को जरुर शामिल करें। हेल्दी चीजों के सेवन से आपकी त्वचा भी खिलकर आएगी। बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आप अपने घर पर इस हेल्दू सूप को जरुर बनाएं।

सामग्री

- 1 कप गाजर - 1 कप लौकी
- 1 टमाटर - 1 प्याज
- 1/2 इंच अदरक का टुकड़ा
- 2 से 3 लहसुन की कलियां
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च
- घी

गाजर और लौकी का सूप बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले आप कुकर में घी डालें।
- फिर इसमें अदरक, लहसुन, प्याज हल्का सुनहरा होने तक भूनें।
- अब आप इसमें गाजर, लौकी और टमाटर डालें और हल्का सा भूनें।
- सभी चीजों को भूनने के बाद 2 कप पानी डालें।
- जब 2 सीटी आ जाए तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- फिर ब्लेंडर में सभी चीजों को डालकर ब्लेंड कर लें।
- इसमें स्वादानुसार कालीमिर्च और नमक डालें।
- तैयार के आपका गर्मागरम सूप।

सूप के पीने के फायदे

गाजर और लौकी के सूप में विटामिन सी मौजूद होता है, जो स्किन में निखार लेकर आता है। इससे कोलेजन का उत्पादन होता है, जो कि त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसके साथ ही यह एंटी-एजिंग का गुण प्रदान करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो बढ़ती उम्र को रोकने में भी मदद करता है। इस सूप के पीने से त्वचा कोमल बनती है।

मीठा खाने का है मन तो फटाफट बनाकर तैयार करें गाजर की खीर

सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में हर घर में गाजर खाई जाती हैं। गाजर में पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। बहुत से लोग गाजर की सब्जी, अचार, पराठे तो कभी स्वादिष्ट हलवा बनाकर खाया जाता है। वहीं सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है, तब जाकर यह हलवा तैयार होता है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गाजर की खीर बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको रबड़ीदार और परफेक्ट गाजर की खीर की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह स्वादिष्ट गाजर की खीर आपके परिवार के सभी सदस्यों को खूब पसंद आएगी।

गाजर की स्वादिष्ट रबड़ीदार खीर बनाने के लिए आपको जिन भी सामग्रियों की जरूरत होगी वह ये हैं।

गाजर- एक कप कद्दूकस की हुई
देसी घी- 2 बड़े चम्मच
दूध- डेढ़ कप
कंडेंस्ड मिल्क- दो बड़े चम्मच
फ्रेश मलाई
काजू
बादाम
पिस्ता
किशमिश
चीनी
इलायची पाउडर- 1/4

ऐसे बनाएं गाजर की खीर

बता दें कि गाजर की खीर बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को कद्दूकस कर लें। अब गैस पर पैन चढ़ाकर दो बड़े चम्मच देसी घी डालें। अब इसमें मनपसंद ड्राई फ्रूट्स डालकर रोस्ट कर लें। फिर इन ड्राई फ्रूट्स को एक प्लेट में निकालकर अलग रख लें। इसके बाद उसी पैन में कद्दूकस की हुई गाजर डालें और इसको अच्छे से रोस्ट कर लें। इससे गाजर में अच्छा सा फ्लेवर आ जाएगा। करीब 5-7 मिनट तक हल्दी आंच पर कद्दूकस की हुई गाजर को चलाते हुए रोस्ट करें।

जब गाजर अच्छे से रोस्ट हो जाए, तो इसमें उबला हुआ दूध डाल दें। अब गाजर और दूध को अच्छे से चलाते हुए मिक्स करें और फिर मीडियम आंच पर धीरे-धीरे पकने दें। जब इसमें उबाल आ जाए, तब इसमें कंडेंस्ड मिल्क या फिर गाढ़ी मलाई मिलाएं। इसको बीच-बीच में चलाते रहें।

करीब 5 मिनट तक पकाने के बाद स्वादानुसार चीनी डालें और यदि आपने कंडेंस्ट मिल्क मिलाया है, तो चीनी थोड़ा कम ही डालें। क्योंकि कंडेंस्ड मिल्क पहले से मीठा होता है। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से चलाते हुए पका लें। करीब 5 मिनट तक इसको गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इसमें फ्लेवर और खुशबू के लिए इलायची पाउडर मिक्स करें और गैस बंद कर लें। इस तरह से गाजरी की स्वादिष्ट खीर बनकर तैयार हो जाएगी। गार्निशिंग के लिए ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें और गर्मागर्म सर्व करें।

रिलीज के कुछ घंटे बाद ही पाइरेसी की शिकार हुई देवा, शाहिद कपूर को लगा झटका

शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्म देवा शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन रिलीज के कुछ ही घंटों बाद ऑनलाइन लीक हो गई। शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर बड़े पर्दे पर आने के तुरंत बाद कई अवैध वेबसाइटों पर अपलोड कर दी गई थी।यह घटना भारतीय सिनेमा को निशाना बनाकर साइबर चोरी का एक और मामला है।

कलेक्शन पर होगा असर

देवा के पाइरेटेड संस्करण कई अवैध वेबसाइटों पर देखे गए हैं। देवा मूवी डाउनलोड, देवा मूवी एचडी डाउनलोड, देवा तमिलरॉकर्स, देवा फिल्मजिला, और देवा टेलीग्राम लिंक्स जैसे कीवर्ड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहे हैं। यह फिल्म कई फॉर्मेट में कई वेबसाइटों पर उपलब्ध है। देवा का ऑनलाइन लीक होना इसकी बॉक्स ऑफिस संभावनाओं के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

फिल्म के कलाकार

यह फिल्म शुरुआती तौर पर देश भर के सिनेमाघरों में भारी भीड़ खींच रही है, जिसमें शाहिद कपूर ने एक विद्रोही पुलिस अधिकारी देव अम्बरे की भूमिका में अभिनय किया है। मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित इस थ्रिलर-ड्रामा में पूजा हेगड़े एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जबकि कुब्रा सैत और पावेल गुलाटी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

कई फिल्में हो चुकी हैं पाइरेसी का शिकार

देवा से पहले भी कई फिल्में पाइरेसी का शिकार हो चुकी हैं। अक्सर हर फिल्म ही पाइरेसी का शिकार हो जाती हैं। इससे पहले साउथ सुपरस्टार राम चरण की फिल्म गेम चेंजर भी पाइरेसी का शिकार हुई थी, जिस पर निर्माताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक्शन भी लिया था। इस मामले में पुलिस केस भी किया गया और एक आरोपी को हिरासत में भी लिया गया था।

मैं 7-8 साल की थी तभी से लोग मेरे बारे में बोलते हैं, बहुत बुरा लगता था

माता-पिता श्रीदेवी और बोनी कपूर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर उत्साहित भी हैं और नर्वस भी। ओटीटी पर द आर्चीज से अपने अभिनय का श्रीगणेश करने वाली खुशी अब आने वाली फिल्म लवयापा में प्यार-मोहब्बत की उलझनों को दर्शाती नजर आएंगी। इस मुलाकात में वे अपनी फिल्म, महिला मुद्दों, माता-पिता और ट्रोल्स के बारे में खुलकर बात कर रही हैं।

इंडस्ट्री में जब भी दो बहन या भाई आते हैं, तो उनके बीच सिबलिंग राइवलरी की चर्चा होने लगती है। आपकी बहन जाह्नवी कपूर से आपकी बॉन्डिंग काफी है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं ऐसा कुछ मानती ही नहीं। मुझे नहीं लगता कि दो बहनों के बीच ऐसा कुछ होता होगा। हां, हम दोनों बहनें एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। मैं जाह्नवी से काफी सवाल पूछती रहती हूं। जाह्नवी का सिर खा जाती हूं। काम की बात हो या किसी फंक्शन में कोई आउटफिट पहनना हो। मैं उससे सवाल पर सवाल करती रहती हूं। मैं उसको आउटफिट के पिक्स ले-लेकर भेजती रहती हूं और पूछती रहती हूं कि क्या पहनूं। क्या करूं! मुझे लगता है कि मैं उनके अनुभव से काफी कुछ सीख सकती हूं। वो जो कहती हैं, मैं वैसा ही करती हूं।

आपके फिल्मकार पिता बोनी कपूर से आपने क्या टिप्स लिए इंडस्ट्री में आने के लिए?

मैं अपने डैड से पूछे बिना कुछ नहीं करती। मैं इंडस्ट्री में नई हूं और वे काफी अनुभवी हैं, तो स्क्रिप्ट्स की बात हो या काम की, मैं हमेशा उन्हीं से सलाह लेती हूं। वे हमेशा मुझे एडवाइज देते हैं और मेरा मार्गदर्शन करते हैं।

आपकी नजर में सबसे आइडियल कपल कौन है?

बेशक मेरे माता-पिता। मैं अपने माता-पिता से बहुत प्यार करती हूं। वही मेरी नजर में सबसे आदर्श कपल हैं। हर कोई बचपन से अपने माता-पिता को ही देखता है एक आदर्श के रूप में। उनकी आदतें, उनके मूल्यों और विश्वास को ही वे अपनाते हैं। उनकी गलतियों से सीखते हैं। मैंने प्यार का अहसास अपने माता-पिता के रिश्ते से सीखा। जिस तरह वे एक-दूसरे को चाहते थे। मैं भी उसी तरह का प्यार और रिश्ता चाहूंगी।

आपकी फिल्म रिलेशनशिप और प्यार-मोहब्बत पर आधारित है। क्या आप उनके सिचुएशनशिप, बेंचिंग, रेड फ्लैग, घोस्टिंग जैसे टर्म्स से वाकिफ हैं?

मुझे रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग के बारे में तो पता है। ये समझना आसान है। बाकी दूसरे टर्म्स से मैं वाकिफ नहीं हूं। मैं देखती हूं कि हर दिन कुछ नया आ जाता है। मगर मैं इतना कह सकती हूं कि प्यार एक अहसास है। वह अब भी वैसा ही है, जैसे पहले था। हां, कॉम्प्लिकेशन्स भी हैं। बस अब ये एक्स्ट्रा टर्म्स आ गए हैं। जैसे हमारी फिल्म ही ले लीजिए। इसमें फोन के कारण काफी जटिलताएं आ जाती हैं। हमारी फिल्म में आपको पुरानी फिल्मों वाला प्यार-मोहब्बत मिलेगा, मगर हमने न्यू एज जेनरेशन के लव और उनकी समस्याओं को भी दर्शाया है।

सोशल मीडिया पर आप कितना वक्त बिताती हैं? ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

मैं भी दूसरों की तरह सोशल मीडिया पर काफी वक्त बिताती हूं। रील्स देखती रहती हूं। कोशिश करती हूं कि अपना स्क्रीन टाइम कम कर सकूं, मगर कर नहीं पाती, क्योंकि सारा काम फोन पर ही होता है। हमारी पूरी जिंदगी फोन पर है। वैसे कंट्रोल नहीं है मेरा। जहां तक ट्रोल्स की बात है, तो वह मेरे फिल्मों में आने से पहले ही थे। जब मैं 7-8 साल की थी, तभी से लोग मेरे बारे में कुछ न कुछ तो बोलते ही रहते थे इंटरनेट पर। अब तो काफी हद तक आदत हो गई है, मगर जब मैं छोटी थी, तब बहुत बुरा लगता था कि मेरे बारे में ऐसा क्यों लिखा जा रहा है। मगर अब लगता है कि लोग तो कहेंगे ही। मैं उसे कंट्रोल नहीं कर सकती। लोगों को एक इम्प्रेशन है मुझे लेकर कि मैं इंडस्ट्री से हूं, तो शायद मैं ऐसी हूं या वैसी हूं। लोगों को लगता है कि अगर ये इंडस्ट्री से हैं, तो शायद ईमानदारी से काम नहीं करेगी। मगर वे गलत हैं। अगर मैं दिन भर ट्रोल्स के कॉमेंट पढ़ूं, तो मुझे बुरा ही लगेगा। मैं ज्यादातर उन्हें इग्नोर करती हूं। मैं अपना काम बेहतरीन ढंग से कर सकती हूं और उम्मीद करती हूं कि लोग मुझे पसंद करें।

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है।

राजकुमार राव-पत्रलेखा ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। नए उद्यम का नाम उनकी माताओं (कमलेश यादव और पापरी पॉल) के लिए प्यारी याद है, क्योंकि इसमें उनके नाम के पहले अक्षर शामिल हैं। दोनों ही कलाकार इस प्रयास में उद्योग जगत के अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस के नाम का मतलब भी समझाया है।

कपल ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है। अपने नए उद्यम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काम्पा का शुभारंभ हमारे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है। सिनेमा ने हमारे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह बदले में कुछ देने का हमारा तरीका है।

राजकुमार राव ने जताई खुशी

राजकुमार ने आगे कहा, हम ऐसी कहानियां बताने के लिए एक मंच बनाना चाहते थे, जो मनोरंजक और प्रेरणादायक होने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी गूंजती हों। यह यात्रा हमारे दिल के बहुत करीब है और हम दर्शकों के लिए ताजा और अनूठी कहानियां लाने के लिए उत्सुक हैं। कपल का उद्देश्य है कि वे काम्पा फिल्म्स को एक मंच के रूप में उपयोग करके विविध कहानियां सुनाएं, जो दर्शकों के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से जुड़ती हों।

कुछ प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है प्रोडक्शन हाउस

काम्पा फिल्म्स ने कुछ प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस को उम्मीद है कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगा। उनका लक्ष्य ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करना है, जिससे लोगों को संदेश भी मिले और उनका मनोरंजन भी हो जाए।

विजय की जासूसी थ्रिलर फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा? भाग्यश्री बोरसे भी आएंगी नजर

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म वीडी 12 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वीडी 12 की रिलीज से पहले इस फिल्म के टीजर का प्रशंसकों को इंतजार है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। लेकिन अब लगता है फिल्म को एक टाइटल मिल गया है। बहरहाल, कथित तौर पर वीडी 12 का नाम साम्राज्यम रखा गया है।

फिल्म का शीर्षक

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा गौतम थिन्नानुरी द्वारा निर्देशित फिल्म वीडी 12 में नजर आएंगे। निर्माता नागा वामसी द्वारा वीडी 12 का शीर्षक तय किए जाने की घोषणा के बाद, फिल्म के शीर्षक के बारे में अफवाहें फैलनी शुरू हो गई हैं। चर्चा के अनुसार, फिल्म का शीर्षक साम्राज्यम है, लेकिन अभी तक फिल्म के शीर्षक की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी

भारी भरकम बजट में बन रही इस फिल्म में वियज देवरकोंडा के साथ भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। भाग्यश्री को उनकी फिल्म मिस्टर बच्चन में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। यह एक जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी।

फिल्म का बजट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का शीर्षक और एक झलक 7 फरवरी, 2025 को सामने आ सकती है। यह अखिल भारतीय फिल्म सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बीच एक संयुक्त सहयोग है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत तैयार कर रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग

बहरहाल, विजय इन दिनों वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म का टीजर 7 फरवरी, 2025 को रिलीज किया जाएगा और निर्माता नागा वामसी ने पहले ही खुलासा कर दिया है कि वीडी 12 को दो भागो में रिलीज किया जाएगा और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल, वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है।

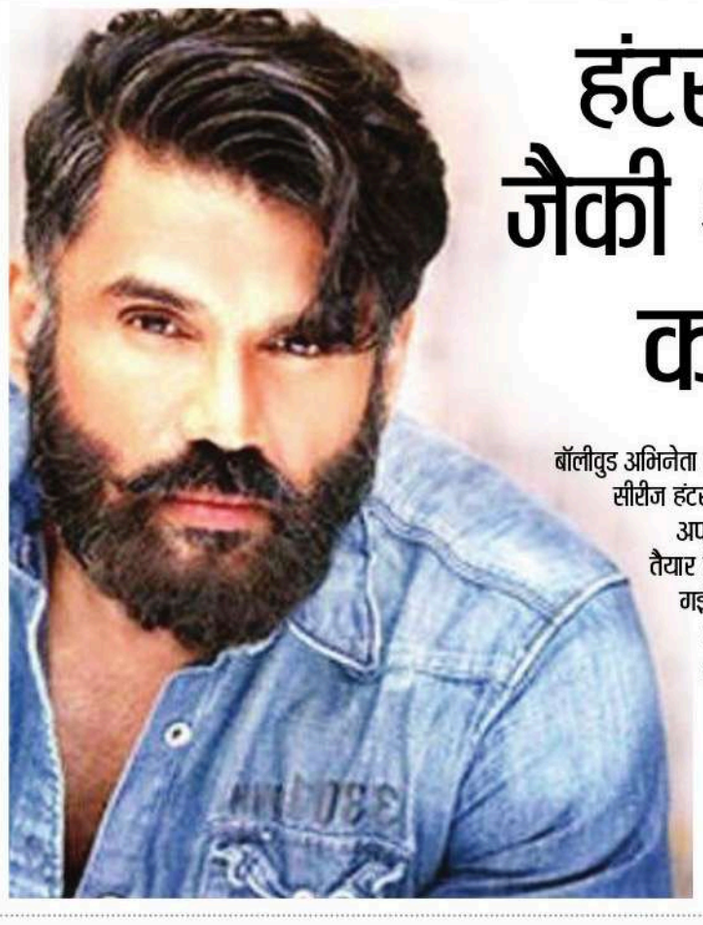

हंटर 2 का टीजर जारी जैकी श्रॉफ से दो-दो हाथ करेंगे सुनील शेट्टी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।

सुनील शेट्टी का दमदार अवतार

हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं।

निर्माताओं की पोस्ट

वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

कलाकार और टीम

वहीं, बात करें सीरीज के कलाकारों की तो सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ हंटर 2 में बरखा बिष्ट, अनुषा दांडेकर भी हैं। सीरीज के निर्माता विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार हैं। सीरीज का निर्माण सारेगामा इंडिया, यूडली फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस सीरीज को खुश मलिक, अली हाजी और वीर ने मिलकर लिखा है।

'जॉली एलएलबी 3' का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं राम कपूर

राम कपूर टीवी सीरियल्स की दुनिया का मशहूर नाम हैं, साथ ही वह फिल्मों, वेब सीरीज में भी अलग-अलग तरह के किरदार करते हैं। इस समय वह अपनी वेट लॉस जर्नी को लेकर काफी चर्चा में हैं। लगभग 6-8 महीने में राम कपूर ने 55 किलो वजन कम किया है। हाल ही में राम कपूर को साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट में देखा गया। यहां पर वह अपनी वेट लॉस जर्नी और अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए दिखे। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का जिक्र किया। राम कपूर ने साइरस ब्रोचा को उनके पॉडकास्ट में बताया कि वह फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का हिस्सा हैं। वह इसे एक कमाल की फिल्म बताते हैं। आगे राम बताते हैं कि फिल्म में वह अक्षय कुमार और अरशद वारसी के किरदारों की तरह ही एक वकील के किरदार में हैं। यह रोल छोटा जरूर है लेकिन बहुत ही असरदार है। वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। राम कपूर आगे बताते हैं कि वह वह आयुष्मान खुराना के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। इसकी कुछ शूटिंग हो चुकी हैं बाकी कश्मीर में होगी। वह जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग के लिए कश्मीर जाएंगे।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267